प्रा. डॉ. सुरेश विठ्ठलराव धनवडे

जन्म - 05 अगस्त 1969

जन्मस्थान - ग्राम गुंज (बु.) ता. घनसावंगी जिला- जालना (महाराष्ट्र)

शिक्षा - एम.ए., एम.फिल. (डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर विश्वविद्यालय, औरंगाबाद) पीएच.डी. (समाजशास्त्र) (स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड)

प्रकाशन :
1. समाजशास्त्र (वस्तुनिष्ठ बहुपर्यायी प्रश्न) प्रथम वर्ष
2. समाजशास्त्र (वस्तुनिष्ठ बहुपर्यायी प्रश्न) द्वितीय वर्ष
3. आदिवासी समाजशास्त्र - तृतीय वर्ष
4. ताराबाई शिंदे यांचे स्त्री-पुरुष तुलना विषयक विचार

लेखन : राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय, कॉन्फरन्सेस में पत्र-प्रकाशित और राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में संशोधन पत्र प्रकाशित

पुरस्कार :
1. राजर्षी शाहू महाराज राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार-2013
2. अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक पुरस्कार-2013
3. महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय पुरस्कार-2015

सम्प्रति : सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष, कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, शंकरनगर, ता. बिलोली जि. नांदेड (महाराष्ट्र)

ईमेल : sureshdhanwade@gmail.com

वान्या पब्लिकेशंस

3ए-127 आवास विकास, हंसपुरम्, नौबस्ता,
कानपुर-208021

सम्पर्क : 09450889601, 07309038401

E-mail : vanyapublicationskanpur@gmail.com

₹800/-

ISBN : 978-81-937960-9-2

9 788193 796092 >

विश्व के महान समाजशास्त्री : वृत्त एवं दर्शन ● प्रा. डॉ. धनवडे

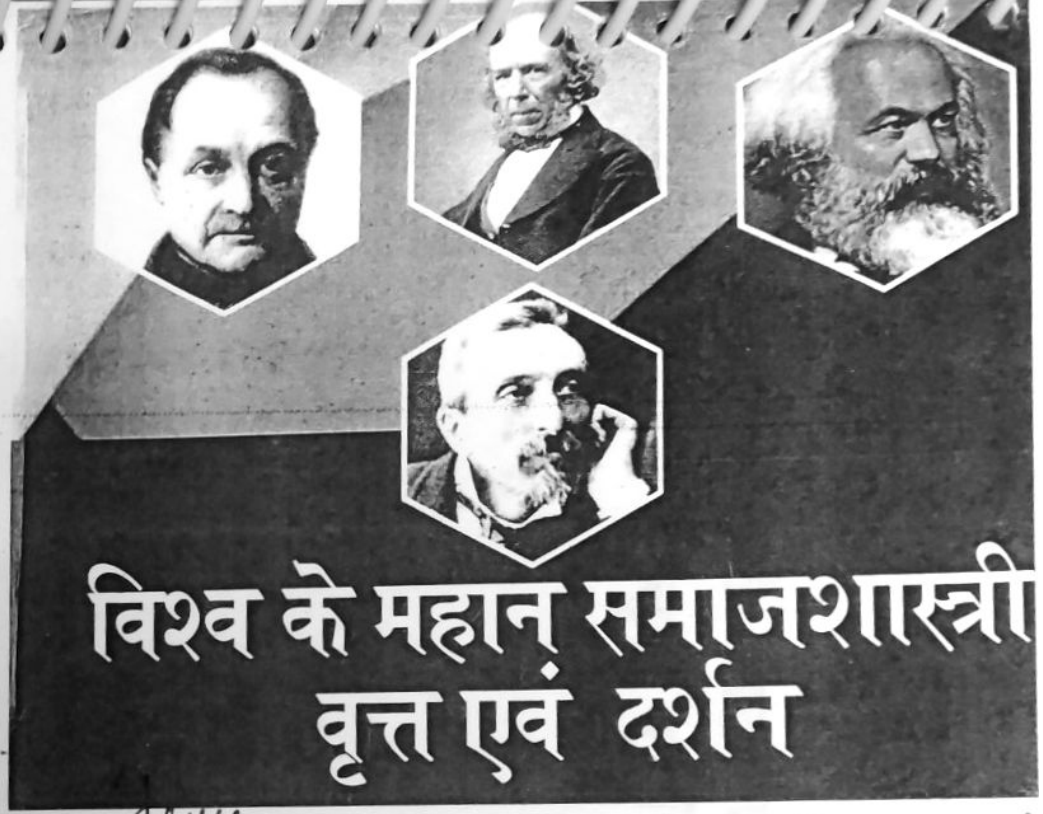

विश्व के महान् समाजशास्त्री वृत्त एवं दर्शन

LECTURER
ART'S COMM. & SCI. COLLEGE

प्रा. डॉ. सुरेश विठ्ठलराव धनवडे

विश्व के महान समाजशास्त्री
वृत्त एवं दर्शन

प्रा० डॉ० सुरेश विठ्ठलराव धनवडे

वान्या पब्लिकेशंस
हंसपुरम्, नौबस्ता, कानपुर-208 021

LECTURER
ART'S COMM. & SCI. COLLEGE
Shankarnagar, Tq. Biloli
Dist. Nanded.

ISBN : 978-81-937960-9-2

मूल्य : आठ सौ रुपये मात्र

पुस्तक	:	विश्व के महान समाजशास्त्री : वृत्त एवं दर्शन
लेखक	:	प्रा० डॉ० सुरेश विठ्ठलराव धनवडे
प्रकाशक	:	**वान्या पब्लिकेशंस** 3A/127 आवास विकास हंसपुरम्, नौबस्ता, कानपुर - 208 021 Email : vanyapublicationskanpur@gmail.com Mob. : 9450889601, 7309038401
संस्करण	:	प्रथम, 2019
©	:	लेखकाधीन
मूल्य	:	**800 रुपये मात्र**
शब्द-सज्जा	:	रुद्र ग्राफिक्स, कानपुर
मुद्रक	:	साक्षी ऑफसेट, कानपुर

LECTURER
ART'S COMM. & SCI. COLLEGE
Shankarnagar, Tq. Biloli
Dist. Nanded.

प्रस्तावना

समाजशास्त्र विषय के अंतर्गत मानव समाज का अध्ययन किया जाता है। यह सामाजिक विज्ञान की एक शाखा है, जिससे मानवीय सामाजिक संरचना और गतिविधियों से संबंधित जानकारी परिष्कृत रूप में प्राप्त होती हे। इस विषय के तहत उक्त जानकारी के विकास हेतु अनुभवजन्य विवेचन और विवेचनात्मक विश्लेषण की विभिन्न पद्धतियों का उपयोग किया जाता है।

पुस्तक में विश्व के कुछ महान समाजशास्त्रियों के जीवन वृत्त व समाजशास्त्र के विकास में उनके योगदान पर विशेष रूप से प्रकाश डाला गया है।

पुस्तक के अध्ययन बिन्दु हैं– आगस्त काम्टे, हर्बर्ट स्पेंसर, कार्ल मार्क्स, इमाइल दुर्खीम, मैक्स वेबर, जार्ज सिमेल, राबर्ट के मर्टन एवं सोरोकिन। उक्त समाजशास्त्रियों ने समाजशास्त्र के विकास में अमूल्य योगदान दिया है। इनकी रचनाएं सामाजिक अध्येयताओं के लिए आज भी मार्ग दर्शक हैं।

प्रस्तुत पुस्तक को उपयोगी बनाने की हर सम्भव कोशिश की गई है। पुस्तक की भाषा सरल व बोधगम्य रखी गई है। पुस्तक की रचना में जिन स्रोतों से मदद ली गई है उनके लेखकों व प्रकाशकों के हम आभारी हैं। पुस्तक संबंधी किसी भी तरह का सुझाव सहर्ष स्वीकार्य है।

–लेखक

LECTURER
ART'S COMM. & SCI. COLLEGE
Shankarnagar, Tq. Bilolli
Dist. Nanded.

अनुक्रम

प्रस्तावना v

1. आगस्त काम्टे 11

आगस्त काम्टे

सामाजिक चिन्तन की अवस्थाएँ

चिन्तन की अवस्थाओं का सामाजिक संगठन से सम्बन्ध

विज्ञानों का वर्गीकरण

विज्ञानों के वर्गीकरण का क्रम

काम्टे की दृष्टि में "समाजशास्त्र"

सामाजिक पुनर्निर्माण की योजना का मनोवैज्ञानिक आधार

सामाजिक पुनर्निमण में नैतिकता का महत्व

सामाजिक पुनर्निर्माण में पुरोहितों का स्थान

सामाजिक पुनर्निर्माण में उद्योगपतियों का स्थान

2. हरबर्ट स्पेन्सर 20

जीवन रेखाचित्र

कृतित्व

बौद्धिक संदर्भ

स्पेन्सर की समाजशास्त्र को देन

समाज और शरीर संरचना में समानता एवं अंतर

LECTURER
ART'S COMM. & SCI. COLLEGE
Shankarnagar, Tq. Bilolli
Dist. Nanded.

समाजशास्त्र : एक समाज विज्ञान
उपसंहार

3. कार्ल मार्क्स 56

जीवन रेखाचित्र
कृतित्त्व
बौद्धिक संदर्भ
ऐतिहासिक भौतिकवाद
द्वंद्वात्मक भौतिकवाद
बदलती उत्पादन पद्धतियाँ
पूंजीवादी समाज
उपसंहार

4. ईमाइल दुर्खीम 108

जीवन रेखाचित्र
कृतित्व
बौद्धिक संदर्भ
समाज में श्रम-विभाजन
सावयवी सुदृढ़ता
समाजशास्त्रीय पद्धति के नियम : सामाजिक तथ्य
आत्महत्या : व्यक्ति और समाज
उपसंहार

5. मैक्स वेबर 135

जीवन रेखाचित्र
कृतित्व
आदर्श-प्रारूप
सामाजिक क्रिया
प्रभुत्त्व एवं शक्ति
सामाजिक स्तरीकरण के सिद्धांत : वर्ग
उपसंहार

LECTURER
ART'S COMM. & SCI. COLLEGE
Shankarnagar, Tq, Biloli
Dist. Nanded.

6. **जार्ज सिमेल** 159

जीवन वृत्त

कृतित्व

बौद्धिक संदर्भ

7. **रॉबर्ट के. मर्टन** 164

जीवन रेखाचित्र

कृतित्व

मर्टन का संरचनात्मक-प्रकार्यवाद

संरचना-प्रकार्यात्मक विश्लेषण का पैराडाइम

विसंगति

सांस्कृतिक लक्ष्य और संस्थागत साधन

संदर्भ समूह सिद्धान्त

मर्टनः संदर्भ समूह और भारतीय स्थिति

उपसंहार

8. **सोरोकिन** 190

कृतित्त्व

सोरोकिन का समाज शास्त्रीय सिद्धान्त

सांस्कृतिक परिवर्तन के सिद्धान्त के आधार

उपसंहार

LECTURER
ART'S COMM. & SCI. COLLEGE
Shankarnagar, Tq. Biloli
Dist. Nanded.